Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 29 October 2024

Dainik Jagran - 04, 10

धर्म की साधना करनी है तो निरोग रहना होगा

जासं, गोरखपुरः दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के यूजीसी मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित अंतरवैषयिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राजीव चौधरी ने कहा कि रोगी शरीर से धर्म की साधना कदापि संभव नहीं है, यदि हमें धर्म की साधना करनी है तो हमें अपने शरीर को निरोगी रखना होगा। योग हमारे शरीर को निरोगी रख सकता है। यही हमें धर्म की साधना में सक्षम बनाता है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि कोरोना काल के बाद प्रथम आफलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन चुनौती था। लंबे समय बाद देश के कई हिस्सों से परिसर में शिक्षक आए और उन्होंने विशेषज्ञों का व्याख्यान प्रत्यक्ष रूप से सुना। निश्चित रूप से आफलाइन मोड में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का असर उन शिक्षकों पर आने वाले समय में दिखेगा, जो इसका हिस्सा बने हैं। पाठ्यक्रम के समन्वयक प्रो. विजय चाहल ने पाठ्यक्रम की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 48 व्याख्यान हुए, जिसमें नौ प्रैक्टिकल भी शामिल थे। उन्होंने यह भी बताया कि देश के 14 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों तथा पांच प्रतिष्ठित संस्थाओं के विद्वान व्याख्यान देने के लिए आए। संचालन डा. सुधीर शुक्ला और आभार ज्ञापन डा. पवन कुमार ने किया।

संबोधित करतीं गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन • जागरण

कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने 'अंतर्मन' को सराहा

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने चिकित्सक मेजर डा.अमित कुमार श्रीवास्तव द्वारा रचित गजल काव्यसंग्रह अंतर्मन की सराहना की। गोरखपुर को गजलों का शहर बताया।

वह सोमवार को गोरखपुर क्लब सभागार में गजल-काव्यसंग्रह 'अंतर्मन' का लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थीं। कुलपति ने कृति की गजलियत और गजलों के नायाब शेरों की अहमियत की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। महापौर डा.मंगलेश श्रीवास्तव ने 'अंतर्मन' के गीतों और गजलों के आलोक में गोरखपुर की समृद्ध साहित्य-विरासत पर दृष्टिपात किया। प्रो.रामदरश राय ने गोरखपुर की गजलिमा और उसकी वैश्विक प्रख्याति का जिक्र करते हुए डा.अमित को एक उदीयमान नवगजल-नक्षत्र के रूप में देखा। संचालन कवयित्री चारुशीला सिंह ने किया। प्राचार्य डा.शाकिर अली खां ने शायर डा.अमित की एक गजल तरन्नुम में गाकर सुनाया। इस दौरान डा.संजयन त्रिपाठी, डा. आमोद कुमार राय, डा.फूलचंद प्रसाद गुप्त, अनुपम सहाय, डा.ज्ञान प्रकाश राय, महेश नारायण त्रिगुणायत तथा केएम लाल श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।-विज्ञप्ति।

सात दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में बैंकिंग व बीमा विभाग की ओर से मिशन शक्ति के तहत महिला सशक्तीकरण के आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। नोडल आफिसर मेजर प्रो. विनीत पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन समापन कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित हुआ।

पहले चरण में छात्रों ने अपने-अपने लिए निर्धारित विषयों पर तैयार किए गए प्रोजेक्ट की प्रस्तुति की और प्रशिक्षण से मिले अनुभव को साझा किया। प्रोजेक्ट मौलिक संचार कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, डिजिटल पहचान जैसे विषयों पर आधारित थे। छात्रों ने इस अवसर पर इंटरनेट आफ थिंग्स, डिजिटल मार्केटिंग, ई-कामर्स आदि विषयों पर पोस्टर की प्रस्तुति भी की। अंत में प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

इस दौरान वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो. श्रीवर्धन पाठक, बैंकिंग व बीमा पाठ्यक्रम के समन्वयक डा. मनीष कुमार, प्रो. अनिल कुमार यादव, प्रो. राजीव प्रभाकर, डा. हर्षदेव वर्मा, सुमन कन्नौजिया, डा. राहुल मिश्रा, प्रशिक्षक अंकित पुरी व मोहम्मद शकीब आदि मौजूद रहे। स्वागत डा. अंशिका मिश्रा और आभार ज्ञापन डा. सारिका गुप्ता ने किया।

प्रमाण पत्र दिखाते प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागी • गोवि

नए साल में बदल जाएगी गोवि रोड की सूरत

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः नए साल में विश्वविद्यालय चौराहे से छात्रसंघ चौराहे तक की करीब 860 मीटर लंबी सड़क की सूरत बदल जाएगी। नगर निगम इसे स्मार्ट रोड के तौर पर विकसित करेगा। इसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। अगले महीने से निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा। इस मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के साथ ही इसे सुंदर बनाने पर भी काम होगा। लेकिन, इस सड़क की हरियाली बरकरार रहेगी। कोई भी पेड़ काटे नहीं जाएंगे। 11 करोड़ की लागत से प्रस्तावित इस सड़क के निर्माण में छह महीने लगेंगे।

सड़क के दोनों तरफ सीसी नाले का निर्माण कराया जाएगा। इसे इस तरह कवर्ड किया जाएगा कि जरूरत पर नाले की सफाई में कोई दिक्कत न आए और बाकी समय इसका इस्तेमाल फुटपाथ के तौर पर किया जा सके। गोरखपुर यूनिवर्सिटी होने की वजह से यहां फुटपाथ पर चलने वालों की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में फुटपाथ के साथ नाले की जगह पर भी पैदल चलने की लिए बड़ी और सुरक्षित जगह मिलेगी। साइकिल ट्रैक तोड़कर सड़क चौड़ी की जाएगी। बिजली के खंभे व ट्रांसफार्मर भी शिफ्ट किए जाएंगे।

नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय चौहान ने बताया कि पार्क व उसके आस-पास बैठने के लिए आकर्षक बेंच लगाए जाएंगे। नगर निगम पेड़ तो नहीं ही काटेगा, हरियाली बढ़ाने के लिए नए फूलदार और छायादार पौधे भी लगाएगा। सड़क के दोनों किनारे आकर्षक लाइटें लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। इसी तरह सिविल लाइन स्थित एचपी स्कूल मार्ग का भी नए सिरे से निर्माण होगा। सड़क को ऊंचा किया जाएगा।

11 करोड़ से बनेगी गोरखपुर विश्वविद्यालय से छात्रसंघ चौक तक की सड़क, अगले महीने शुरू होगा निर्माण, साइकिल ट्रैक तोड़कर चौड़ी की जाएगी सड़क, नहीं काटे जाएंगे पेड़, कवर्ड सीसी नाला बनाया जाएगा

रसायन शास्त्र की पुस्तक का हुआ विमोचन

जागरण, सवांददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएससी प्रथम सेमेस्टर के लिए उपयोगी रसायनशास्त्र विषय की पुस्तक 'ए टेक्सटबुक आफ फंडामेंटल्स आफ केमिस्ट्री' का विमोचन किया। इस पुस्तक का लेखन विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक-आचार्य डा. आलोक कुमार सिंह, डा. प्रीति गुप्ता और डा. सचिन कुमार सिंह ने किया है।

पुस्तक में कुल सात अध्याय है, जिसमे प्रथम सेमेस्टर के पूर्ण पाठ्यक्रम को उच्चस्तरीय अध्ययन-सामग्री के साथ अत्यंत सरल व सुलभ भाषा में छात्रों को उपलब्ध कराया गया है। विमोचन कार्यक्रम में प्रो.सुधा यादव और तीनों लेखक विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, मौजूद रहे।

रसायनशास्त्र की पुस्तक का विमोचन करतीं गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, पुस्तक के लेखक व शिक्षक • सौ. गोवि

Hindustan Page - 07

प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

गोरखपुर। डीडीयू के वाणिज्य विभाग में बीकॉम बैंकिंग एंड इंश्योरेंस विभाग द्वारा मिशन शक्ति के तहत आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। नोडल अधिकारी प्रो. विनीता पाठक ने बताया कि महिला सशक्तिकरण के लिए आयोजित शिविर में छात्राओं ने निर्धारित विषयों पर तैयार किए गए प्रोजेक्ट की प्रस्तुति दी और प्रशिक्षण से मिले अनुभव को साझा किया। इस दौरान प्रो. श्रीवर्धन पाठक, डॉ मनीष कुमार, प्रो. अनिल यादव, प्रो. राजीव प्रभाकर, डॉ हर्षदेव आदि मौजूद रहे।

नए साल में स्मार्ट होगी विश्वविद्यालय सड़क

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। डीडीयू सड़क, स्वामी विवेकानंद चौक से विश्वविद्यालय चौक तक 860 मीटर लंबाई में स्मार्ट रोड बनेगी। नगर निगम ने सड़क निर्माण के लिए फर्म चयन कर लिया है, दिसंबर में फर्म काम करना शुरू कर देगी। सड़क का चौड़ीकरण कर उसका सुंदरीकरण भी किया जाएगा। सड़क को हरा भरा बनाने के साथ पूर्व से लगे वृक्षों को क्षति नहीं पहुंचाई जाएगी।

विश्वविद्यालय वाली सड़क को स्मार्ट बनाने में गोरखपुर नगर निगम 9.50 करोड़ रुपये खर्च करेगा। निर्माण कार्य पूरा करने में तकरीबन 06 माह लगेंगे। सड़क के दोनों तरफ जलनिकासी के लिए सीसी नाला बना कर उसे ढका जाएगा। यही नहीं, ढके गए नाला को फुटपाथ के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। इसके अतिरिक्त फुटपाथ भी बनाया जाएगा। ऐसे में फुटपाथ के साथ नाला के स्लैब पर भी चलने की सुविधा होने से काफी संख्या में लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिलेगा। सड़क को चौड़ा करने के लिए साइकिल ट्रैक तोड़ा जाएगा। बिजली के खंभे व ट्रांसफार्मर भी शिफ्ट किए जाएंगे।

Rashtriya Sahara Page - 10

डा.मेजर अमित के काव्य संग्रह का विमोचन

डॉ. मेजर अमित कुमार श्रीवास्तव की काव्य संग्रह का लोकार्पण करती कुलपति प्रो. पूनम टंडन,मेयर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव,प्रो.आरडी राय, डॉ. संजयन त्रिपाठी,डॉ.आमोद कुमार राय व अन्य।

गोरखपुर (एसएनबी)। सोमवार को गोरखपुर-क्लब के सभागार में गोरखपुर के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. (मेजर) अमित कुमार श्रीवास्तव द्वारा रचित गजल-काव्य संग्रह अन्तर्मन का लोकार्पण गोरखपुर की नामचीन साहित्यकार हस्तियों और विद्वान बौद्धिकों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.पूनम टण्डन ने कृति की गजलियत और गजलों के नायाब शेरों की अहमियत का मुक्तकण्ठ से उद्घाटन किया। प्रो.टण्डन ने गोरखपुर को गजलकारों का शहर बताया। इसी शहर की नयी गजल शरिलयत के रूप में कवि-शायर डॉ. (मेजर) अमित के अवदान का स्मरण किया। विशिष्ट अतिथि महापौर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव ने अन्तर्मन के गीतों और गजलों के आलोक में गोरखपुर की समृद्ध साहित्य-विरासत पर दृष्टिपात किया। उन्होंने मुंशी प्रेमचन्द और फिराक गोरखपुरी को गोरखपुर की महान् साहित्य-विभूति के रूप में याद किया।अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो.रामदरश राय ने गोरखपुर की गजलिमा और उसकी वैश्विक प्रख्याति का जिक्र करते हुए डॉ.अमित कुमार श्रीवास्तव को एक उदीयमान नवगजल-नक्षत्र रूप में देखा। अन्तर्मन के जिल्वारोही गजल शेरों का उद्घाटन भी किया। प्राचार्य डॉ. शाकिर अली खाँ ने शायर डॉ. अमित की एक गजल तरन्नुम में गाकर अपनी भी एक गजल सुनायी। डॉ. संजयन त्रिपाठी, डॉ. आमोद कुमार राय, डॉ. फूलचन्द प्रसाद गुप्त श्री अनुपम सहाय ने कवि और कृति पर विस्तृत वक्तव्य दिये। डॉ. ज्ञानप्रकाश राय ने कविश्री डॉ. अमित का परिचय दिया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर वीणापाणि के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कवि अमित ने काव्यपाठ किया। संचालन राष्ट्रीय कवयित्री चारुशीला सिंह ने किया। इस अवसर पर अतिथियों का सम्मान नारायण क्लिनिक के अभिरक्षक केएम लाल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अन्तर्मन काव्यति के अक्षर-संयोजक महेश नारायण त्रिगुणायत को सम्मानित करने के साथ-साथ अन्य अनेक योगदायी शख्सियतों ने सम्मानित किया। आभार ज्ञापित किया नारायण क्लिनिक के मशहूर अमित कुमार श्रीवास्तव ने।

Amar Ujala Page - 07

डीडीयू : रसायनशास्त्र की पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य। स्रोत-डीडीयू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएससी प्रथम सेमेस्टर के लिए उपयोगी रसायनशास्त्र विषय की पुस्तक 'ए टेक्स्टबुक ऑफ फंडामेंटल्स ऑफ केमिस्ट्री' का विमोचन किया। पुस्तक का लेखन विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक-आचार्य डॉ. आलोक कुमार सिंह, डा. प्रीति गुप्ता और डॉ. सचिन कुमार सिंह ने किया है। संवाद

Amar Ujala Select Page - 04

महिला सशक्तीकरण के लिए आयोजित प्रशिक्षण का समापन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में बैंकिंग व बीमा विभाग की ओर से मिशन शक्ति के तहत महिला सशक्तीकरण के आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। नोडल आफिसर मेजर प्रो. विनीत पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन समापन कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित हुआ। छात्रों ने अपने-अपने लिए निर्धारित विषयों पर तैयार किए गए प्रोजेक्ट की प्रस्तुति की और प्रशिक्षण से मिले अनुभव को साझा किया। अंत में प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। इस दौरान वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो. श्रीवर्धन पाठक, बैंकिंग व बीमा पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. मनीष कुमार, प्रो. अनिल कुमार यादव, प्रो. राजीव प्रभाकर, डा. हर्षदेव वर्मा, सुमन , डॉ. राहुल मिश्रा, अंकित पुरी व मोहम्मद शकीब आदि मौजूद रहे।

डीडीयू : रसायनशास्त्र की पुस्तक का विमोचन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएससी प्रथम सेमेस्टर के लिए उपयोगी रसायनशास्त्र विषय की पुस्तक 'ए टेक्स्टबुक ऑफ फंडामेंटल्स ऑफ केमिस्ट्री' का विमोचन किया।

पुस्तक का लेखन विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक-आचार्य डॉ. आलोक कुमार सिंह, डा. प्रीति गुप्ता और डॉ. सचिन कुमार सिंह ने किया है।

गजलकारों का शहर है गोरखपुर : प्रो. पूनम टंडन

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को गोरखपुर क्लब में गजल संग्रह अंतर्मन का लोकार्पण किया। कुलपति ने गोरखपुर को गजलकारों का शहर बताया।

इस दौरान विशिष्ठ अतिथि मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने काव्य संग्रह अंतर्मन के गीतों और गजलों पर चर्चा करते हुए गोरखपुर की समृद्ध साहित्यिक विरासत की परंपरा पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुंशी प्रेमचंद और फिराक गोरखपुरी को गोरखपुर के महान साहित्यकार के रूप में याद किया। अध्यक्षता करते हुए प्रो. रामदरश राय ने की। कार्यक्रम के दौरान महेश नरायण त्रिगुणायत समेत अन्य शख्सियतों को सम्मानित किया गया।

संचालन कवियित्री चारूशीला सिंह ने किया। इस दौरान डॉ. शाकिर अली खान, संजयन त्रिपाठी, डॉ. आमोद कुमार राय, डॉ. फूलचंद प्रसाद गुप्त, अनुपम सहाय, डॉ. ज्ञानप्रकाश राय, केएम लाल, डॉ. अमित श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। संवाद

Super Fast Times

बीएससी-प्रथम सेमेस्टर की रसायन विज्ञान पुस्तक का विमोचन

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएससी-प्रथम सेमेस्टर की पुस्तक ह्यरसायन विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों की पाठ्यपुस्तकह्न का विमोचन कुलपति प्रो० पूनम टंडन द्वारा किया गया। उक्त पुस्तक को रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ० आलोक कुमार सिंह, डॉ० प्रीति गुप्ता एवं डॉ० सचिन कुमार सिंह द्वारा लिखा गया है। उक्त पुस्तक में गोरखपुर विश्वविद्यालय के बीएससी प्रथम सेमेस्टर के चार वर्षीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम पर आधारित कुल सात अध्याय हैं, जिसमें प्रथम सेमेस्टर का संपूर्ण पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय अध्ययन सामग्री के साथ अत्यंत सरल एवं सुलभ भाषा में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया गया है। उक्त विमोचन कार्यक्रम प्रो० उमेश नाथ त्रिपाठी (विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग), प्रो० सुधा यादव (पूर्व विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग) एवं लेखक-त्रयी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

Swatantra Chetna Page - 05

योग हमें धर्म की साधना में सक्षम बनाता है: प्रो. राजीव

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के यूजीसी मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित योग में पहले अन्तर्वैषयिक रिफ्रेशर कोर्स के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. राजीव चौधरी ने कहा कि रोगी शरीर से धर्म की साधना कदापि संभव नहीं है, यदि हमें धर्म की साधना करनी है तो हमें अपने शरीर को निरोगी रखना होगा। योग हमारे शरीर को निरोगी रखने में सहायता प्रदान करता है । इस प्रकार हम कह सकते हैं कि योग हमें धर्म की साधना में सक्षम बनाता है। यहां धर्म का तात्पर्य हमें हमारे कर्तव्य तथा जिम्मेदारियां तथा अपने दैनिक जीवन के कार्यों के निर्वहन से है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मुख्य रूप से दो बातों पर निर्भर है। प्रथम हॉलिस्टिक डेवलपमेंट जिसमें मानसिक शारीरिक सामाजिक इमोशनल स्वास्थ की बात है। द्वितीय समन्वित विकास जिसमें आत्मा और शरीर के संयुक्त विकास की बात कही गई है। योग पर रिफ्रेशर कोर्स इन दोनों निहितार्थों को पूर्णता प्रदान करता है। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि कोरोना काल के बाद प्रथम ऑफलाइन रिफ्रेशर कोर्स करना अपने आप में एक चैलेंज था जिसे इस केंद्र में भली भांति पूर्ण किया । यहां देश के कई हिस्सों से और राज्य के कई हिस्सों से सहभागी शिक्षक आए तथा साथ ही देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से शिक्षक ने यहां पर अपने व्याख्यान दिए। जिससे निश्चित रूप से सहभागियों को लाभ मिला है। कोर्स के समन्वयक प्रोफेसर विजय चाहल ने पूरे कोर्स के संक्षिप्त रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए कहा कि कोर्स में कुल 48 व्याख्यान हुए जिसमें 9 प्रैक्टिकल भी शामिल थे। देश के 14 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों तथा 5 प्रतिष्ठित संस्थाओं से विद्वान इस कोर्स में अपने व्याख्यान देने के लिए आए थे, जिन्होंने योग के विभिन्न आयामों पर अपने व्याख्यान दिया और अपने ज्ञान से सहभागियों को अभिसिंचित किया। समापन सत्र का संचालनडॉक्टर सुधीर शुक्ला ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉक्टर पवन कुमार ने किया।